स्मृति पर अपना प्रभाव डालते हैं। अतः अध्यापक को इन नियमों को ध्यान में रखकर शिक्षण कार्य करना चाहिए।

स्मृति को प्रभावित करने वाले कारक (FACTORS INFLUENCING MEMORY)

स्मृति को अनेक कारक प्रभावित करते हैं, इनमें से कुछ निम्नलिखित हैं—

1. शारीरिक स्वास्थ्य (Physical Health)—शारीरिक स्वास्थ्य का प्रभाव स्मृति पर पड़ता है। जो बालक अस्वस्थ रहते हैं उनकी स्मृति कमजोर होती है।

2. मानसिक स्वास्थ्य (Mental Health)—मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की स्मृति अच्छी होती है। जो बालक बीमारी, भय, चिन्ता एवं अन्य मानसिक विकारों से ग्रस्त होते हैं उनकी स्मृति अच्छी नहीं होती है।

3. प्रेरणा (Motivation)—अभिप्रेरित बालक जल्दी सीख लेता है, सीखी हुई सामग्री को लम्बे समय तक धारण करता है तथा आवश्यकता पड़ने पर शीघ्र पुनर्स्मरण कर लेता है।

4. विषय-वस्तु की प्रकृति (Nature of Learning Material)—व्यवस्थित एवं बोधगम्य विषय-वस्तु होने से बालक उन्हें जल्दी याद कर लेता है।

5. सीखने वाले की इच्छा शक्ति (Learner's Willingness)—सीखने वाला यदि सीखना चाहता है तो ही वह विषय-वस्तु को याद कर सकेगा अन्यथा नहीं। जितनी प्रबल इच्छा शक्ति होती है उतना ही जल्दी स्मरण होता है।

6. रुचि एवं अवधान (Interest and Attention)—रुचि एवं ध्यान आकृष्ट होने से व्यक्ति जल्दी सीखता है।

7. स्मरण विधि (Memory Method)—बालक स्मरण करने के लिए जिस विधि का उपयोग करता है, उसका बालक की स्मरण करने की प्रक्रिया पर असर होता है। व्यवस्थित एवं सबल विषय-वस्तु को पूर्ण विधि से जल्दी याद किया जा सकता है, कठिन वस्तु के लिए आंशिक विधि उपयुक्त होती है।

8. अभ्यास एवं दोहराना (Practice and Repetition)—पाठ्यवस्तु का जितना अधिक अभ्यास और दोहराना होता है उसे उतना ही अधिक स्थायी रूप से स्मृति में अंकित किया जा सकता है।

9. शिक्षण विधि (Teaching Method)—अध्यापक द्वारा अपनाई गई शिक्षण विधि भी स्मरण को प्रभावित करती है।

10. अध्यापक का व्यवहार (Teacher's Behaviour)—अध्यापक प्रेममयी और सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार बालक की स्मृति को प्रभावित करता है।